भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1043
उत्तर देने की तारीख 02.12.2024

कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई)

1043. श्री बस्तीपति नागराजू :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) विगत तीन वर्षों के दौरान कला संस्कृति विकास योजना के अंतर्गत प्रदान की गई छात्रवृत्तियों और अध्येतावृत्तियों की संख्या का श्रेणी-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) आन्ध्र प्रदेश के मूल निवासी छात्रवृत्तियों/अध्येतावृत्तियों से सम्मानित व्यक्तियों की संख्या का ब्यौरा क्या है;
- (ग) विगत तीन वर्षों के दौरान सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान योजना (सीएफपीजीएस) के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं अथवा संगोष्ठियों सहित आयोजित कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) इनमें से प्रत्येक योजना में प्राप्त किए गए मील के पत्थर का ब्यौरा क्या है और सांस्कृतिक क्षेत्र पर इसका समग्र प्रभाव क्या पड़ा है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

- (क) और (ख) : संस्कृति मंत्रालय कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई) की समावेशी स्कीम के अंतर्गत 'कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति स्कीम' नामक एक स्कीम कार्यान्वित करता है जिसमें निम्नलिखित 03 श्रेणियां शामिल हैं:-
- (i) विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्तियां प्रदान करना (एसवाईए): इस स्कीम घटक के तहत, कला और संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत किसी गुरु या संस्थान से उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु 18-25 वर्ष के आयु समूह के चयनित लाभार्थियों को 5000/- रुपये प्रति माह की दर से 02 वर्ष की अवधि के लिए चार बराबर छमाही किस्तों में छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

- (ii) विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट व्यक्तियों को वरिष्ठ/कनिष्ठ अध्येतावृत्तियां प्रदान करना: इस स्कीम घटक के तहत, कला और संस्कृति के क्षेत्र में शोध कार्य के लिए 25 से 40 वर्ष के आयु वर्ग और 40 वर्ष से अधिक आयु के चयनित अध्येताओं को क्रमशः कनिष्ठ अध्येतावृत्ति और वरिष्ठ अध्येतावृत्ति प्रदान की जाती है। कनिष्ठ अध्येताओं और वरिष्ठ अध्येताओं के लिए 02 वर्ष की अवधि हेतु अध्येतावृत्ति की राशि क्रमशः 10,000/- रुपये प्रति माह और 20,000/- रुपये प्रति माह है।
- (iii) सांस्कृतिक शोध के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्रदान करना : इस स्कीम का उद्देश्य विद्वानों/शिक्षाविदों को इन संस्थाओं के साथ आपसी हित की परियोजनाओं पर संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) के अधीन विभिन्न संस्थाओं और देश में मान्यताप्राप्त अन्य सांस्कृतिक संस्थाओं के साथ स्वयं को संबद्ध करने हेतु प्रोत्साहित करते हुए, संस्थाओं को सुदृढ़ करना और सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत अधिकतम दो वर्षों की अवधि के लिए 15 तक अध्येतावृत्तियां (80,000/-रुपये प्रतिमाह + आकस्मिक भत्ता) और 25 तक छात्रवृत्तियां (50,000/-रु. प्रतिमाह + आकस्मिक भत्ता) प्रदान की जाती हैं। यह अध्येतावृत्ति 04 बराबर छमाही किस्तों में जारी की जाती है।

विगत 03 वर्षों के दौरान उपरोक्त स्कीम घटकों के तहत प्रदान की गई छात्रवृत्तियों और अध्येतावृत्तियों की संख्या का ब्यौरा निम्नलिखित है: -

क्र. सं.	छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति की श्रेणी	प्रदान की गई छात्रवृत्तियों और अध्येतावृत्तियों की संख्या		
		2019-20	2020-21	2021-22
1.	विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों के युवा कलाकारों को छात्रवृत्तियां प्रदान करना (एसवाईए)	400 (आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित 03 विद्वानों सहित)	400 (आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित 02 विद्वानों सहित)	400 (आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित 03 विद्वानों सहित)
2.	विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट व्यक्तियों को वरिष्ठ/कनिष्ठ अध्येतावृत्तियां प्रदान करना	400 (आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित 04 अध्येताओं सहित)	399 (आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित 02 अध्येताओं सहित)	400 (आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित 05 अध्येताओं सहित)
3.	सांस्कृतिक शोध के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्रदान करना (टीएनएफसीआर)	32 (आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित 01 अध्येता सहित)	32* (आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित 01 विद्वान सहित) टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति के तहत छात्रवृत्तियों/अध्येतावृत्तियों के चयन के लिए राष्ट्रीय चयन समिति की बैठक वर्ष 2020-21 और 2021-22 की बैठकों का आयोजन एक साथ किया गया।	

(ग): सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान (सीएफपीजी) स्कीम के तहत गैर-सरकारी संगठनों/ सोसाइटियों/ न्यासों/ विश्वविद्यालयों को संगोष्ठियां, सम्मेलन, अनुसंधान, कार्यशालाएं, महोत्सव, प्रदर्शनियां, विचारगोष्ठियां, नृत्य निर्माण, नाटक-रंगमंच, संगीत आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। विगत तीन वर्षों के दौरान कथित प्रयोजनों के लिए अनुशंसित सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी जैसे कि रामायण, आजादी का अमृत पर्व, बाल रंगमंच, होली उत्सव, रंगमंच कार्यशाला, ब्रज लोक गीत उत्सव आदि।

(घ): मंत्रालय का निरंतर यह प्रयास रहता है कि कथित स्कीमों के अंतर्गत सांस्कृतिक संगठनों/व्यक्तिगत कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए कलाकार समुदाय को आजीविका अर्जित करने में सहायता प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जाए, कला और संस्कृति आदि के बहुरंगी पक्षों को सीखने के प्रति युवाओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

मंत्रालय ने वर्ष 2022-23 में 'सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान' के तहत महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है जब उस वित्त वर्ष 2020-21 में 16.52 करोड़ रुपये की पहले की अधिकतम जारी राशि की तुलना में 32.75 करोड़ रुपये सांस्कृतिक संगठनों को जारी किए गए थे, जिससे 02 वर्षों के भीतर 200 प्रतिशत (लगभग) की वृद्धि दर्ज की गई। इसी प्रकार, कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति स्कीम के तहत वित्तीय सहायता की मात्रा 2019-20 में 11.79 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 16.06 करोड़ रुपये हो गई। देश में कला और संस्कृति के संवर्धन और परिरक्षण के लिए कलाकारों को दी गई ऐसी सहायता का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।